नज़र दया की | By Pankaj Modi (Garg)

नज़र दया की प्यारे जबसे श्याम की हो गई
सच कहता हों बीच भवर में नैया मेरी तर गयी
बल्ले बल्ले हो गई बल्ले बल्ले हो गई

आजा श्याम शरण में प्यारे
हो जाएँ तेरे वारे न्यारे
मन में हो विश्वास जो पक्का
इसने गले लगाए रखा
पल में जगा दे उसकी किस्मत
जिसकी किस्मत सो गई
बल्ले बल्ले हो गई बल्ले बल्ले हो गई

श्याम ही नैया पार लगाए
हारे हुए को ये अपनाये
चिंता मिट जाए उसकी सारी
जिसकी श्याम से हो जाये यारी
ये है शीश का दानी सारी दुनिया इसमें खो गई
बल्ले बल्ले हो गई बल्ले बल्ले हो गई

ज़ोर चले न ज़माने का
कुछ ना बिगड़े दीवाने का
जिसके संग हो खाटूवाला
नाचे होकर के मतवाला
महर हुई है गर्ग पे ऐसी खुशी से अँखियाँ रो गई
बल्ले बल्ले हो गई बल्ले बल्ले हो गई

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a8%e0%a4%9c%e0%a4%bc%e0%a4%b0-%e0%a4%a6%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%95%e0%a5%80-by-pankaj-modi-garg/